WELCOME TO SARAL STENOGRAPHY
Practice Shorthand - Anytime, Anywhere | Join Now

(BIHAR CIVIL COURT)

363 शब्द – 70 शब्द प्रति मिनट

हर साल विश्व आर्थिक मंच की बैठक में आर्थिक असमानता रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है। इस वर्ष पेश की गई रिपोर्ट ने दुनियाभर में अमीरी और गरीबी के बीच बढ़ती खाई को लेकर कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक विश्व के एक फीसद अमीरों की दौलत बीते दो सालों में दुनिया के बाकी 99 फीसद लोगों की तुलना में करीब दोगुनी तेजी से बढ़ी है। इस रिपोर्ट के /01 अनुसार दुनियाभर के अमीरों की दौलत प्रतिदिन 22 हजार करोड़ रुपये बढ़ी है, जबकि विश्व के 170 करोड़ मजदूर उन देशों में रहते हैं, जहां महंगाई मजदूरी से ज्यादा है। चिंताजनक स्थिति यही है कि दुनियाभर में जितनी तेजी से अमीरी बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से गरीबी भी बढ़ती जा रही है।

SARAL STENOGRAPHY
WWW.SARALSTENO.COM

डिक्टेशन लिखें, सॉफ्टवेयर पर ट्रांसलेट करें और मात्र 02 सेकेंड में अपना रिजल्ट देखें।

SUBSCRIBE

भारत को लेकर रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यही है कि देश में महज एक /02 फीसद लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का चालीस फीसद हिस्सा है, जबकि देश की करीब पचास फीसद आबादी, जिनमें निचले तबके के लोग शामिल हैं, उनके पास महज तीन फीसद हिस्सा है। एक ओर जहां आम आदमी अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरा करने में ही खुद को खपा रहा है, वहीं अमीर लोग दिन–प्रतिदिन अमीर होते जा रहे हैं।

बहरहाल, जिस प्रकार चंद हाथों में पूंजी सिमटती जा /03 रही है, उसके भावी खतरों की अनदेखी करना उचित नहीं होगा। असमानता बढ़ने से सामाजिक अस्थिरता भी बढ़ रही है। सवाल है कि आखिर बढ़ते अमीरों के देश में गरीब लगातार क्यों बढ़ते जा रहे हैं? संयुक्त राष्ट्र वैश्विक स्तर पर गरीबी खत्म करने का संकल्प लेते हुए प्रतिवर्ष नए लक्ष्य निर्धारित करता है, उसी प्रकार भारत में भी गरीबी उन्मूलन के लिए संकल्प लिए जाते हैं, लेकिन जिस प्रकार /04 पिछले दो वर्षों में

डिक्टेशन लिखें, सॉफ्टवेयर पर ट्रांसलेट करें और मात्र 02 सेकेंड में अपना रिजल्ट देखें।

SUBSCRIBE

WELCOME TO SARAL STENOGRAPHY
Practice Shorthand - Anytime, Anywhere | Join Now

अधिसंख्य आबादी के संसाधन तेजी से सिकुड़े हैं और चंद अमीरों की संपत्ति तेजी से बढ़ रही है, उससे बढ़ती असमानता शांति की राह में बाधक बन सकती है।

आज देश में जिस प्रकार के आर्थिक–सामाजिक संकट के हालात बने हैं, ऐसे में अमीरों को और अमीर बनाने में सहायक सरकारी नीतियों के बजाय ऐसी नीतियों के क्रियान्वयन की सख्त दरकार है, जो रोजगार पैदा करने /05 के साथ–साथ गरीबों को भी खुशहाली के मार्ग पर ले जाने वाली हों।

SARAL STENOGRAPHY
WWW.SARALSTENO.COM

डिक्टेशन लिखें, सॉफ्टवेयर पर ट्रांसलेट करें और मात्र 02 सेकेंड में अपना रिजल्ट देखें।

REGISTER NOW